

जी.वी.-971

प्रीलमिस के लिये:

अल्जाइमर रोग

मेन्स के लिये:

अल्जाइमर रोग तथा संबंधित दवा से जुड़े मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने अल्जाइमर रोग के नदिन के लिये जी.वी.-971 (G.V-971) नामक एक घरेलू दवा विकसित की है।

मुख्य बटु:

- अल्जाइमर रोग के नदिन के लिये विकसित जी.वी.-971 नामक घरेलू दवा को आधिकारिक अनुमोदन के बाद दसिंबर 2019 से चीन के रोगियों के लिये उपलब्ध कराया जाएगा।
- द चाइनीज़ एकेडमी ऑफ साइंसेज़ (The Chinese Academy Of Sciences), शंघाई इंस्टीट्यूट ऑफ मैटेरिआ मेडिका (Shanghai Institute of Materia Medica) ने ग्रीन वैली फार्मास्यूटिकल तथा ओशियन यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना (Ocean University of China) के साथ मलिकर 22 वर्षों के शोध के बाद यह दवा विकसित की है।
- फार्मास्यूटिकल कंपनियों द्वारा अल्जाइमर के नदिन के लिये दुनिया भर में विकसित लगभग 320 दवाओं में से जी.वी.-971 अकेली ऐसी दवा है जो नैदानिक परीक्षणों में सफल रही है।
- जी.वी.-971, भूरे शैवाल से नरिमति वशिव की पहली बहु-लक्ष्यीय (Multi-Targeting) और कार्बोहाइड्रेट आधारित ओरल (Oral) दवा है जो प्रारंभिक तथा मध्यम स्तरीय अल्जाइमर रोग के नदिन तथा स्मरण क्षमता (Cognition) में सुधार के लिये उपयोगी है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दवा मस्तषिक में सूजन कम करके तथा आँत में उपस्थित सूक्ष्मजीवों की संख्या को संतुलित करके मस्तषिक में होने वाली संज्ञानात्मक क्षति को कम करती है।

अल्जाइमर:

- अल्जाइमर रोग 'डर्मिशिया' नामक सडिरोम का सामान्य रूप है जिसमें ब्रेन डिसऑर्डर (Disorder) के रूप में मस्तषिक की तंत्रिका कोशिकाएँ नष्ट हो जाती हैं।
- इस रोग के कारण रोगी की सोचने, सरल कार्यों को करने की तथा स्मरण क्षमता घट जाती है और इस प्रकार रोगी की नरिणय लेने की क्षमता घट जाती है।
- 55-60 वर्ष के आयु वर्ग में अल्जाइमर का खतरा अधिक रहता है।
- यह रोग मस्तषिक में टैंगल्स (Tangles) प्रोटीन के नरिमाण के कारण होता है। जैसे टाइप-3 डायबिटीज़ के नाम से भी जानते हैं।
- उम्र बढ़ने के साथ-साथ इस रोग के बढ़ने का खतरा भी बढ़ जाता है, कभी-कभी आनुवंशिक लक्षणों के कारण इस बीमारी के लक्षण कम उम्र में ही देखने को मलि जाते हैं।
- वशिव अल्जाइमर दविस प्रत्येक वर्ष 21 सतिंबर को मनाया जाता है।
- इस वर्ष वशिव अल्जाइमर दविस की थीम 'लेट्स टॉक अबाउट डर्मिशिया' (Let's Talk About Dementia) थी।

भारत में अल्जाइमर की स्थिति:

- भारत में लगभग 4 मिलियन लोग कसी-न-कसी रूप में डमिशिया से प्रभावति हैं ।
- पूरे वशिव में लगभग 44 मिलियन लोग डमिशिया से प्रभावति हैं ।

स्रोत- बज़िनेस स्टैंडर्ड

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/g-v-971>

